Dzień dobry, przygotowałam dla Was ćwiczenia czytania ze zrozumieniem.

Udanej zabawy ☺

* Przeczytajcie uważnie opowiadanie i krótko opowiedzcie jego treść.

KRÓL ŻÓŁW

Na **górze Równej**, przy **szczególnym źródle**, **wójt Józek** wypoczywał ze swoją **córką**. Oboje lubili obserwować zwierzęta, które przybiegały do tego miejsca. **Oprócz wiewiórek**, **tchórzy** i dzikich **królików**, **kłótliwych przepiórek**, kolorowych **sójek**, zwinnych **jaskółek** i ciekawskich **wróbli**, w okolicy źródła mieszkały wróżki z różdżkami. Ich szaty, zrobione ze **skórek**, **płótna**, **włóczki** i pięknych **włókien**, mieniły się różowo i **żółto**.

**Król** zwierząt – powolny **żółw** – był kłótliwym próżniakiem, **który** potrafił **pokłócić** się nawet ze stróżem leśnego chóru. **Dopóty włóczył** się po lesie, **dopóki** nie opróżnił lekko już **spróchniałego** chlebaka ze wszystkich zapasów. **Ogólnie** jednak król dogadywał się ze swoimi podwładnymi, co wróżyło różową przyszłość nie tylko wójtowi i członkom leśnego **chóru**, ale też wróżkom ze źródła oraz **królowej** Róży.

**Późnym** wieczorem **mózg króla** przeszedł ciężką **próbę**. Pewna roztargniona wiewiórka powiedziała, że prze pomyłkę pogryzła na **wióry** żółte **czółno** oraz ulubioną **półkę** króla, pomalowaną w **rózgi**, **włócznie** oraz **ogórki**. Był to jednak **szczegół** i doprowadził tylko do **krótkiej kłótni** bo król na **ogół** widział świat na różowo.

ZAŁĄCZNIK NR 2

* Spośród wyróżnionych w opowiadaniu „Król żółw” wyrazów z „ó” niewymiennym wybierz odpowiednie i uzupełnij nimi słowniczek. Wyrazy napisz w formie mianownika liczby pojedynczej.

**Słowniczek – ó niewymienne**

PTAKI

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

MOŻNA Z TEGO ZROBIĆ UBRANIA

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

LUDZIE

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |

KOLORY

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |

ROŚLINA

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

ZWIERZĘTA

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

ZWIĄZANE Z DREWNEM

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |